बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय में एमएससी. गणित पाठ्यक्रम में प्रवेश आरंभ

गोहाना, 14 जून (रामनिवास धीमान): खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के गणित विभाग द्वारा शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए एम.एससी. गणित पाठ्यक्रम में प्रवेश की प्रक्रिया आरंभ की। विभागाध्यक्ष प्रोफेसर सुनील कुमार ने बताया कि एम.एससी. गणित कार्यक्रम को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप पुन: संरचित किया गया है। इस पाठ्यक्रम की अवधि दो वर्ष जिसमें कुल 40 सीटें उपलब्ध हैं। इस नए पाठ्यक्रम की एक विशेष बात यह है कि छात्राओं को पहले ही वर्ष से प्रोग्रामिंग लैंग्वेज का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके साथ ही, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित विषयवस्तु भी पाठ्यक्रम में सम्मिलित की गई है, जिससे विद्यार्थियों को गणित की पारंपरिक गहराई के साथ-साथ समकालीन तकनीकी कौशल में भी दक्ष बनाया जा सके। एमएससी गणित करने के पश्चात छात्राओं के लिए शोध व शिक्षण में अपार संभावनाएं हैं इसके अलावा वे डेटा साइंस, फाइनेंस, सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग, एक्चुरियल साइंस और सरकारी सेवाओं जैसे क्षेत्रों में कार्य कर सकती हैं।

महिला विश्वविद्यालय में गणित में एम.एस.सी. प्रारंभ

गोहाना मुद्रिका, 14 जून : बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय के गणित विभाग द्वारा शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए एम.एस.सी. गणित पाठ्यक्रम में प्रवेश की प्रक्रिया आरंभ कर दी गई है। वर्ष 2013 में अस्तित्व में आया यह विभाग राज्य के अग्रणी शिक्षण संस्थानों में से एक है जो निरंतर उन्नत हो रही अधोसंरचना और गुणवत्ता-युक्त शिक्षण व्यवस्था के लिए जाना जाता है।

गणित विभाग के एच.ओ.डी. प्रो. सुनील सांगवान ने बताया कि विभाग का उद्देश्य गणित के क्षेत्र में कक्षा शिक्षण, प्रशिक्षण, अनुसंधान और नवाचार को प्रोत्साहित करते हुए एक उत्कृष्ट शैक्षणिक वातावरण तैयार करना है। उन्होंने कहा कि गणित में एम.एस.सी. को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप पुनः संरचित किया गया है। यह पाठ्यक्रम उन छात्राओं के लिए विशेष अवसर लेकर आया है जो गणित को केवल एक विषय नहीं, बल्कि एक पेशेवर और तकनीकी शक्ति के रूप में अपनाना चाहती हैं। इस पाठ्यक्रम की अवधि दो वर्ष जिसमें कुल 40 सीटें उपलब्ध हैं।

एच.ओ.डी. के अनुसार इस नए पाठ्यक्रम की एक विशेष बात यह है कि छात्राओं को पहले ही वर्ष से प्रोग्रामिंग लैंग्वेज का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके साथ ही, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित विषयवस्तु भी पाठ्यक्रम में सम्मिलित की गई है, जिससे विद्यार्थियों को गणित की पारंपरिक गहराई के साथ-साथ समकालीन तकनीकी कौशल में भी दक्ष बनाया जा सके।

प्रो. सुनील सांगवान ने दावा किया कि गणित विभाग की अधोसंरचना अत्याधुनिक स्तर की है। यहां स्मार्ट क्लासरूम, सेमिनार हॉल और अत्याधुनिक कंप्यूटर लैब जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। कंप्यूटर लैब में हाई-स्पीड वाई-फाई की सुविधा भी सुनिश्चित की गई है, जिससे छात्राएं शोध व अभ्यास में तकनीकी रूप से सशक्त बन सकें।

पंजाब केसरी
SUN, 15 JUNE 2025
EDITION: SONIPAT KES

महिला विश्वविद्यालय में गणित एम.एससी. में प्रवेश प्रारंभ

गोहाना, 14 जून (अरोड़ा): बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय के गणित विभाग द्वारा शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए एम.एससी. गणित पाठ्यक्रम में प्रवेश की प्रक्रिया आरंभ कर दी गई है। वर्ष 2013 में अस्तित्व में आया यह विभाग राज्य के अग्रणी शिक्षण संस्थानों में से एक है जो निरंतर उन्नत हो रही अधोसंरचना और गुणवत्तायुक्त शिक्षण व्यवस्था के लिए जाना जाता है।

प्रो. सुनील सांगवान।

गणित विभाग के एच.ओ.डी. प्रो. सुनील सांगवान ने बताया कि विभाग का उद्देश्य गणित के क्षेत्र में कक्षा शिक्षण, प्रशिक्षण, अनुसंधान और नवाचार को प्रोत्साहित करते हुए एक उत्कृष्ट शैक्षणिक वातावरण तैयार करना है। उन्होंने कहा कि गणित में एम.एससी. को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप पुन: संरचित किया गया है। यह पाठ्यक्रम उन छात्राओं के लिए विशेष अवसर लेकर आया है जो गणित को केवल एक विषय नहीं, बल्कि एक पेशेवर और तकनीकी शक्ति के रूप में अपनाना चाहती हैं। इस पाठ्यक्रम की अवधि 2 वर्ष है जिसमें कुल 40 सीटें उपलब्ध हैं।

एच.ओ.डी. के अनुसार इस नए पाठ्यक्रम की एक विशेष बात यह है कि छात्राओं को पहले ही वर्ष से प्रोग्रामिंग लैंग्वेज का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके साथ ही, आर्टिफिशियल इंटैलिजैंस आधारित विषयवस्तु भी पाठ्यक्रम में सम्मिलित की गई है।

28 मई को सम्पन्न परीक्षाओं का परिणाम मात्र 15 दिन में किया जाएगा घोषित

गोहाना, 13 जून (रामनिवास धीमान): खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय में 28 मई को संपन्न हुई प्री-पीएचडी कोर्स की परीक्षाओं का परिणाम मात्र 15 दिन में घोषित किया जाएगा। विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डॉ. संदीप दहिया ने बताया कि सभी कोर्स जिनमें अंग्रेजी, अर्थशास्त्र, एजुकेशन, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, प्रबंधन, समाज कार्य, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, फैशन एंड टेक्नोलॉजी, वाणिज्य, होटल प्रबंधन , इतिहास, राजनीति विज्ञान, भौतिकी और खाद्य एवं पोषण शामिल है। डॉ. दहिया ने बताया कि विभिन्न स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों की परीक्षाएं अभी जारी है। परीक्षा खत्म होने के बाद शीघ्र ही ये परिणाम भी घोषित किए जाएंगे। कुलपति ने कहा कि समय पर परिणाम घोषित करने से न केवल छात्राओं का शैक्षणिक तनाव कम हुआ है, बल्कि यह हमारे अकादमिक प्रशासन में नए मानकों को अपनाने की तत्परता का भी प्रमाण है। परीक्षा नियंत्रक डॉ. संदीप दहिया ने कहा कि यह उपलब्धि शैक्षणिक कार्यकुशलता और पारदर्शिता में एक नया मानदंड स्थापित कर रही है।

पंजाब केसरी
SAT,14 JUNE 2025
EDITION: SONIPAT KESARI, PAGE NO. 1

बी.पी.एस. ने 15 ही दिन में घोषित कर दिए परिणाम

गोहाना, 13 जून (अरोड़ा): बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय में 28 मई को सम्पन्न हुई प्री-पी.एच.डी. कोर्स की परीक्षाओं का परिणाम मात्र 15 दिन में घोषित कर दिया गया है।

परीक्षा नियंत्रक डॉ. संदीप दहिया ने बताया कि सभी कोर्स, जिनमें अंग्रेजी, अर्थशास्त्र, एजुकेशन, कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, प्रबंधन, समाज कार्य, इलैक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, फैशन एंड टैक्नोलॉजी, वाणिज्य, होटल प्रबंधन, इतिहास, राजनीति विज्ञान, भौतिकी और खाद्य एवं पोषण शामिल हैं, के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं।

जानकारी देते हुए संदीप दहिया।

उनके अनुसार विभिन्न स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों की परीक्षाएं अभी जारी हैं। परीक्षा खत्म होने के बाद शीघ्र ही उनके परिणाम भी घोषित किए जाएंगे। वी.सी. प्रो. सुदेश कहा कि रिकॉर्ड समय में परिणाम घोषित करना हमारे शैक्षणिक उत्कर्ष, तकनीकी और छात्र कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह उपलब्धि सुदृढ़ परीक्षा प्रक्रियाओं और उन्नत मूल्यांकन प्रणालियों के एकीकरण के कारण संभव हो पाई है।समय पर परिणाम घोषित करने से न केवल छात्राओं का शैक्षणिक तनाव कम हुआ है, बल्कि यह हमारे अकादमिक प्रशासन में नए मानकों को अपनाने की तत्परता का भी प्रमाण है।

परीक्षा नियंत्रक डॉ. संदीप दहिया ने कहा कि शीघ्र परिणाम घोषित होने से छात्राओं को अपने आगामी शैक्षणिक कार्यक्रम, इंटर्नशिप और करियर विकल्पों की योजना बनाने के लिए पर्याप्त समय मिलेगा।

बी.पी.एस. ने 15 ही दिन में घोषित कर दिए परिणाम

गोहाना मुद्रिका, 13 जून : बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय में 28 मई को संपन्न हुई प्री-पी.एच.डी. कोर्स की परीक्षाओं का परिणाम मात्र 15 दिन में घोषित कर दिया गया है। परीक्षा नियंत्रक डॉ संदीप दहिया ने बताया कि सभी कोर्स, जिनमें अंग्रेजी, अर्थशास्त्र, एजुकेशन, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, प्रबंधन, समाज कार्य, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, फैशन एंड टेक्नोलॉजी, वाणिज्य, होटल प्रबंधन, इतिहास, राजनीति विज्ञान, भौतिकी और खाद्य एवं पोषण शामिल हैं, के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। उनके अनुसार विभिन्न स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों की परीक्षाएं अभी जारी है। परीक्षा ख़त्म होने के बाद शीघ्र ही उनके परिणाम भी घोषित किए जाएंगे। परीक्षा नियंत्रक डॉ संदीप दहिया ने कहा कि शीघ्र परिणाम घोषित होने से छात्राओं को अपने आगमी शैक्षणिक कार्यक्रम, इंटर्नशिप और कैरियर विकल्पों की योजना बनाने के लिए पर्याप्त समय मिलेगा।

गोहानाः महिला विवि में एमएससी गणित पाठ्यक्रम में प्रवेश आरंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गोहाना

भगत फूल सिंह महिला विवि, खानपुर कलां के गणित विभाग द्वारा शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए एमएससी. गणित पाठ्यक्रम में प्रवेश की प्रक्रिया आरंभ कर दी गई है। विभागाध्यक्ष प्रो. सुनील कुमार ने बताया कि विभाग का उद्देश्य गणित के क्षेत्र में कक्षा शिक्षण, प्रशिक्षण, अनुसंधान और नवाचार को प्रोत्साहित करते हुए एक उत्कृष्ट शैक्षणिक वातावरण तैयार करना है। प्रो. सुनील कुमार ने कहा कि एमएससी गणित कार्यक्रम को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप पुनः संरचित किया गया है। यह पाठ्यक्रम उन छात्राओं के लिए विशेष अवसर लेकर आया है जो गणित को केवल एक विषय नहीं, बल्कि एक पेशेवर और तकनीकी शक्ति के रूप में अपनाना चाहते हैं। इस पाठ्यक्रम की अवधि दो वर्ष है जिसमें कुल 40 सीटें उपलब्ध हैं। नए पाठ्यक्रम की एक विशेष बात यह है कि छात्राओं को पहले ही वर्ष से प्रोग्रामिंग लैंग्वेज का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके साथ ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित विषयवस्तु भी पाठ्यक्रम में सम्मिलित की गई है ताकि विद्यार्थियों को गणित की पारंपरिक गहराई के साथ-साथ समकालीन तकनीकी कौशल में भी दक्ष बनाया जा सके।

शोध की अपार संभावनाएं

विभागाध्यक्ष प्रो. सुनील कुमार ने कहा कि एमएससी गणित करने के पश्चात छात्राओं के लिए शोध व शिक्षण में अपार संभावनाएं हैं। इसके अलावा वे डेटा साइंस, फाइनेंस, सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग, एक्चुरियल साइंस और सरकारी सेवाओं जैसे क्षेत्रों में कार्य कर सकती हैं। यही नहीं अकादमिक संस्थानों में अध्यापन एवं उच्च अध्ययन के द्वार भी उनके लिए सदैव खुले रहते हैं।

महिला विश्वविद्यालय में गणित में एमएससी शुरू

वि., गोहाना : भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर कलां के गणित विभाग में शैक्षणिक सत्र 2025-26 से गणित में एमएससी में प्रवेश शुरू कर दिए गए। विभागाध्यक्ष प्रो. सुनील कुमार ने बताया कि विभाग का उद्देश्य गणित के क्षेत्र में कक्षा शिक्षण, प्रशिक्षण, अनुसंधान और नवाचार को प्रोत्साहित करते हुए उत्कृष्ट शैक्षणिक वातावरण तैयार करना है। एमएससी गणित कार्यक्रम को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप तैयार किया गया है।

प्रो. सुनील कुमार, विभागाध्यक्ष ●

यह पाठ्यक्रम उन छात्राओं के लिए विशेष अवसर लेकर आएगा, जो गणित को केवल एक विषय नहीं, बल्कि एक पेशेवर और तकनीकी शक्ति के रूप में अपनाना चाहती हैं। इस कोर्स में 40 सीटें स्वीकृत की गई हैं। छात्राओं को पहले ही वर्ष से प्रोग्रामिंग लैंग्वेज का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

इसके साथ ही, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित विषयवस्तु भी पाठ्यक्रम में सम्मिलित की गई है, जिससे विद्यार्थियों को गणित की पारंपरिक गहराई के साथ-साथ समकालीन तकनीकी कौशल में भी दक्ष बनाया जा सके। संस्थान में अनुभवी और समर्पित संकाय सदस्य विद्यार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। एमएससी गणित करने के पश्चात छात्राओं के लिए शोध व शिक्षण में अपार संभावनाएं हैं। इसके अलावा वे डेटा साइंस, फाइनेंस, सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग, एक्चुरियल साइंस और सरकारी सेवाओं जैसे क्षेत्रों में कार्य कर सकती हैं।

बीपीएस महिला विवि में एमएससी गणित पाठ्यक्रम में प्रवेश आरंभ

भास्कर न्यूज | गोहाना

बीपीएस महिला विवि के गणित विभाग द्वारा शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए एमएससी गणित पाठ्यक्रम में प्रवेश की प्रक्रिया आरंभ कर दी गई है। इसके लिए छात्राएं ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगी। विभाग के अध्यक्ष प्रो. सुनील. कुमार के अनुसार वर्ष-2013 में अस्तित्व में आया यह विभाग राज्य के अग्रणी शिक्षण संस्थानों में से एक है। ऐसे में विभाग का उद्देश्य गणित के क्षेत्र में कक्षा शिक्षण, प्रशिक्षण, अनुसंधान और नवाचार को प्रोत्साहित करते हुए एक उत्कृष्ट शैक्षणिक वातावरण तैयार करना है। उन्होंने बताया कि एमएससी गणित पाठ्यक्रम को राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप पुनः संरचित किया गया है। यह पाठ्यक्रम उन छात्राओं के लिए विशेष अवसर लेकर आया है, जो गणित को केवल एक विषय नहीं, बल्कि एक पेशेवर और तकनीकी शक्ति के रूप में अपनाना चाहती हैं। इस पाठ्यक्रम की अवधि दो वर्ष है और 40 सीटें उपलब्ध हैं। इसमें छात्राओं को पहले ही वर्ष से प्रोग्रामिंग लैंग्वेज का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके साथ ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित विषयवस्तु भी पाठ्यक्रम में सम्मिलित की गई है, जिससे छात्राओं को गणित की पारंपरिक गहराई के साथ-साथ समकालीन तकनीकी कौशल में भी दक्ष बनाया जा सके।